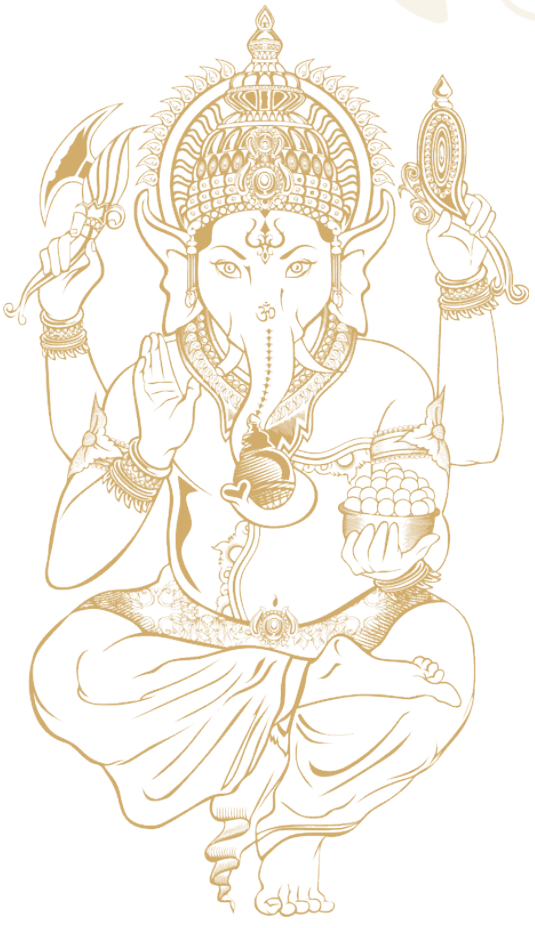

Mr.sony

Ms.pankaj

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120858408

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/10/2003	जन्म तिथि	17-18/01/2001
शनिवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 14:35:00	जन्म समय	00:30:00 घंटे
घटी 20:45:29	जन्म समय(घटी)	43:17:58 घटी
India	देश	India
Mathura Cantt	स्थान	Mathura Cantt
27:28:11 उत्तर	अक्षांश	27:28:11 उत्तर
77:41:39 पूर्व	रेखांश	77:41:39 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:13	स्थानिक संस्कार	-00:19:13 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:48	सूर्योदय	07:10:48
17:56:09	सूर्यास्त	17:48:07
23:54:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:02

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 0मा 23दि		17:49:15	मक	लग्न	तुला	02:37:39	राहु 1वर्ष 3मा 4दि	
शुक्र		23:43:51	कन्या	सूर्य	मक	03:52:22	शनि	
03/11/2007		05:35:35	मेष	चंद्र	तुला	19:03:56	23/04/2018	
03/11/2027		07:30:48	कुंभ	मंगल	तुला	20:45:32	23/04/2037	
शुक्र	05/03/2011	13:32:47	कन्या	बुध	मक	18:05:34	शनि	26/04/2021
सूर्य	04/03/2012	15:28:58	सिंह	गुरु व	वृष	07:25:09	बुध	04/01/2024
चन्द्र	03/11/2013	08:04:17	तुला	शुक्र	कुंभ	20:57:54	केतु	12/02/2025
मंगल	03/01/2015	19:08:06	मिथु	शनि व	वृष	00:14:29	शुक्र	14/04/2028
राहु	03/01/2018	26:45:46	मेष व	राहु	मिथु	21:36:06	सूर्य	27/03/2029
गुरु	03/09/2020	26:45:46	तुला व	केतु	धनु	21:36:06	चन्द्र	26/10/2030
शनि	03/11/2023	05:18:43	कुंभ व	हर्ष	मक	25:39:19	मंगल	05/12/2031
बुध	03/09/2026	16:31:52	मक व	नेप	मक	12:04:29	राहु	11/10/2034
केतु	03/11/2027	23:49:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:27:21	गुरु	23/04/2037

लग्न-चलित

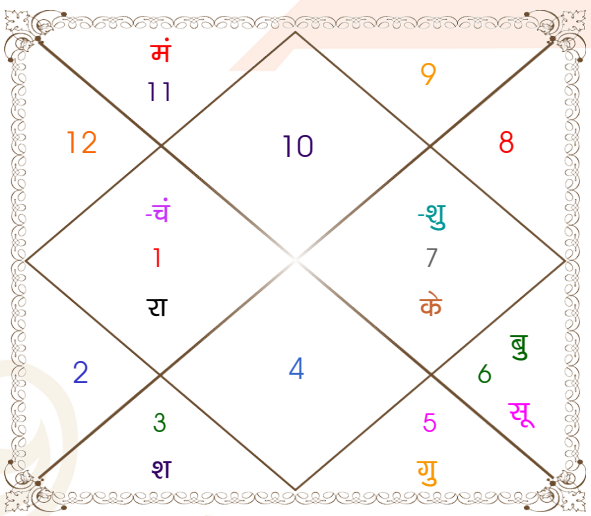

लग्न-चलित

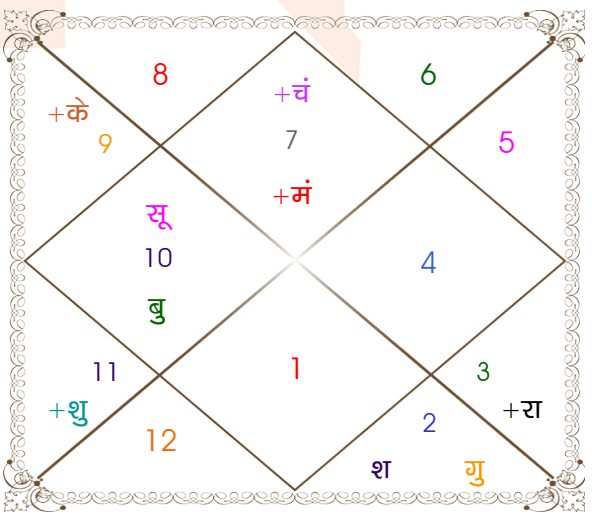

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	महिष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

डतण्वदल का वर्ग सिंह है तथा डेण्चंदांर का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्वदल और डेण्चंदांर का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्वदल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्चंदांर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण्चंदांर कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्वदल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्वदल तथा डेण्चंदांर में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।